दैनिक
भारतेन्दु शिखर

वर्ष : 26 | अंक : 31 | शिमला | शनिवार, 31 मई, 2025 | मूल्य : 1.50 रुपए

पांवटा साहिब : पांवटा साहिब में वन विभाग की टीम ने शुक्रवार को दो अलग-अलग मामलों में अवैध खनन को अंजाम दे रहे छह ट्रैक्टरों से 1.27 लाख रुपए जुर्माना वसूला है। मामले में परिक्षेत्र अधिकारी पांवटा साहिब के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने मतरालियों और रामपुरघाट क्षेत्रों में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान चार ट्रैक्टरों को मौके पर पकड़ा गया जो अवैध रूप से खनिज सामग्री का परिवहन कर रहे थे। वन विभाग की टीम ने कार्रवाई के दौरान मौके पर ही 71 हजार रुपए का जुर्माना वसूला।

छपते-छपते

संतोषगढ़ में श्री गुरु अर्जुन देव जी का मनाया शहीदी दिवस

संतोषगढ़ : नगर संतोषगढ़ के श्री सिंह सभा गुरुद्वारा में सिखों के पांचवे गुरु श्री अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में नगर के साथ साथ अन्य गांवों के लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस मौके पर गुरुद्वारे में कीर्तन हाजिरी भाई परमजीत सिंह एवं भाई नरेंद्र सिंह श्री आनंदपुर साहिब वालों ने देकर नगर के लोगों को गुरु की बाणी से जोड़ा। गुरुद्वारा सिंह सभा में लोगों के लिए मीठे जल की छबील भी लगाई गई ओर लंगर लगाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान पांच प्यारों की अगुवाई में एक विशाल नगर कीर्तन निकाला गया। इस नगर कीर्तन में रागी जत्थों ने गुरु की बाणी गाकर उपस्थित संगत को निहाल किया।

पिकअप से टकराई बाइक, एक की मौत, दो घायल

भराड़ी : भराड़ी थाना के तहत बरोटा कस्बे में सड़क हादसे के दौरान युवक की मौत हो गई। जबकि हादसे में दो अन्य युवक घायल हो गए। घायलों का उपचार भराड़ी अस्पताल में चल रहा है। हादसा शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे के करीब हुआ। बाईक पर सवार तीन युवक बरोटा से लदरौर सड़क पर जा रहे थे कि अचानक बाईक सड़क किनारे खड़ी पिकअप जीप से जा टकराई। जानकारी के अनुसार करोट गांव का 21 वर्षीय साहिल ठाकुर, आशीष कुमार गांव झरलोग व निखिल चौहान गांव करोट बाईक पर सवार होकर बरोटा से लदरौर की तरफ जा रहे थे। जैसे ही वह बाईक लेकर बरोटा स्कूल के नजदीक पहुंचे बाईक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़ी पीकअप जीप से जा टकराई। बाईक पर सवार तीनों युवकों को गंभीर चोटें आई। स्थानीय लोगों ने तीनों घायलों को भराड़ी अस्पताल पहुंचाया। जहां पर उपचार के दौरान साहिल ठाकुर की मौत हो गई।

सेना से परामर्श किए बिना ही की युद्ध विराम की घोषणा : सुक्खू

मुख्यमंत्री ने जय हिंद सभा में किया वीर सैनिकों को सम्मानित और शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला में आयोजित 'जय हिंद सभा' में सन् 1962, 1965, 1971, कारगिल तथा ऑपरेशन सिंदूर के प्रतिभागी हिमाचल प्रदेश के वीर सैनिकों को सम्मानित किया तथा शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीदों के परिजनों को सम्मानित करते हुए जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज उन वीर सैनिकों के बलिदान को नमन करने का दिन है, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने हाल ही में तीर्थन घाटी के शरची गांव की अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इस दौरान वह पूर्व सैनिक सूबेदार मेजर अनूप राम के घर ठहरे। मेजर अनूपराम ने सन् 1971 के भारत-पाक युद्ध के बारे में अपनी यादें साझा करते हुए

बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने साहसिक एवं दूरदर्शी नेतृत्व से युद्ध के दौरान भारतीय सेना में अद्भुत बहादुरी, जोश और ऊर्जा का संचार किया था।

उसी के परिणामस्वरूप युद्ध का ऐतिहासिक परिणाम हमारे सामने आया और भारत ने पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित करते हुए शिमला समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर कर दिया था। सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के सैनिकों का पराक्रम अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने कभी देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने में संकोच नहीं किया। हिमाचल प्रदेश ने चार परमवीर चक्र विजेता दिए हैं, जो राज्य की वीरता और बलिदान की समृद्ध परम्पराओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार को बिना शर्त समर्थन देने के लिए सबसे पहले आगे आए। हिमाचल प्रदेश के लोग और सरकार हमेशा भारतीय सशस्त्र बलों के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखाया हालांकि, केंद्र सरकार ने तीनों सशस्त्र बलों को विश्वास में लिए बिना युद्ध विराम की घोषणा कर दी। यह घोषणा किसी तीसरे देश से सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आई। यह घोषणा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्णायक नेतृत्व के विपरीत है, जिन्होंने कभी भी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं होने दिया।

सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम के तहत बंजार के शरची पहुंचे मुख्यमंत्री

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू 'सरकार गांव के द्वार' कार्यक्रम के तहत कुल्लू जिला में बंजार विधानसभा क्षेत्र के शरची गांव में पूर्व सैनिक सूबेदार अनूप राम के घर रात्रि ठहराव किया। मुख्यमंत्री के पहुंचने पर सभी गांववासी उत्साहित थे। मुख्यमंत्री को अपने घर-द्वार पर पाकर ग्रामवासी गर्मजोशी से विभोर हो गए। पारम्परिक वेशभूषा से सुसज्जित ग्रामवासियों ने वाद्ययंत्रों की मधुर स्वर लहरियों से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। राह चलते हुए मुख्यमंत्री ने बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं सभी से संवाद किया। इस दौरान ग्रामवासियों ने अपनी समस्याओं के बारे में भी मुख्यमंत्री को अवगत करवाया। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की मांगों को पूरा करने के लिए बजट का उचित प्रावधान किया जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को नगलाड़ी-शरची मार्ग को चौड़ा करने व इसके सुधारीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क के साथ ड्रेन का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने आवश्यकतानुसार सड़क पर पेवर ब्लॉक्स लगाने को भी कहा, ताकि सड़क का बेहतर ढंग से रखरखाव हो सके। उन्होंने शरची ग्राम पंचायत के पांच महिला मंडलों को एक-एक लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा भी की।

गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री ने गांव वासियों के साथ नाश्ता किया और उनकी समस्याएं भी सुनीं। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ग्रामवासियों से क्षेत्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा व्यवस्था की भी जानकारी ली। उन्होंने लोगों से सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में भी खुलकर बात की। लोगों से फीडबैक भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सबके बीच आकर मुझे बेहद प्रसन्नता हो रही है। सरकार के गठन के बाद से प्रयास है कि मैं स्वयं दुर्गम क्षेत्रों में जाकर लोगों की समस्याओं को समझकर उन्हें हल करने का प्रयास करूं। शरची, बंजार क्षेत्र का अंतिम गांव है और चारों तरफ सुंदर पहाड़ और जंगल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं इस कार्यक्रम के तहत डोडरा क्वार, कुपवी और पांगी में जा चुका हूं और मुझे वहां लोगों के साथ समय बिताने का अवसर मिला है। मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी भी अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं।

कौशल विकास से युवाओं के लिए खुल रहे रोजगार के द्वार : बाली

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने कहा सुख सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के लिए कौशल विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि बाजार की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम की कार्ययोजना बनाने और उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि युवाओं की क्षमता का निर्माण हो सके और छोटे पैमाने के स्टार्ट-अप स्थापित करने के लिए सहयोग प्रदान किया जा सके।

इन भवनों के निर्माण उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कौशल विकास निगम के प्रशिक्षुओं की सुविधा के लिए राज्य में 67 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में उपकरणों के उन्नयन के लिए धन उपलब्ध करवाया है। इसके साथ ही राज्य सरकार ने निगम के आठ निर्माणाधीन भवनों के निर्माण को पूरा करने के लिए 25 करोड़ रुपये आवंटित करेगी।

उन्होंने कहा कि पहली जनवरी, 2023 से अब तक 38713 युवाओं को हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं में नामांकित किया गया है। इनमें से 38572 को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र दिए जा चुके हैं और 8630 प्रशिक्षुओं की प्लेसमेंट हुई है।

पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना सरकार की पहली प्राथमिकता है तथा इस बाबत रोजगार मेलों का आयोजन भी किया जा रहा है ताकि युवाओं को घर द्वार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें।

बाली ने कहा कि नगरोटा विस क्षेत्र में वर्ष में दो बार रोजगार मेले आयोजित किए जाते हैं इसके साथ ही युवाओं को विदेशों में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए प्रयास किए गए हैं। पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि विकास पुरूष स्व जीएस बाली ने युवाओं को रोजगार तथा बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाने का संकल्प लिया था तथा उन्हीं के संकल्पों को पूर्ण करने के लिए तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं।

युवाओं के लिए आयोजित किया कैरियर काउंसलिंग सत्र

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : युवा मामले और खेल मंत्रालय, मेरा युवा भारत-कांगड़ा हिमाचल प्रदेश द्वारा शहीद स्मारक में युवाओं के लिए एक कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया जिसमें उप निदेशक ध्रुव डोगरा ने युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इसके उपरांत युवाओ को नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के रूप में नामांकित करने और पीएम जन औषधि केंद्र ईएलपी में भाग लेने के लिए भी जागरुक किया गया।

यह कार्यक्रम वेस्ट वॉरियर्स धर्मशाला के समन्वय से करवाया गया।

ऑरो टेक्सटाइल कंपनी में अप्रेंटिसशिप के 50 पद के लिए 3 से 6 जून तक मंडी जिला में होंगे साक्षात्कार

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी मंडी अक्षय कुमार ने बताया कि ऑरो टेक्सटाइल (प्रिंटिंग डिवीजन) प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बद्दी द्वारा अप्रेन्टिसशिप के 50 पदों के लिए भर्ती अधिसूचित की गई है। इन पदों के लिए पुरुष एवं महिला दोनों प्रकार के अभ्यर्थी पात्र हैं। कंपनी द्वारा निर्धारित शर्तों के अनुसार आवेदक की आयु 18 से 27 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं या 12वीं पास एवं आईटीआई उत्तीर्ण होनी चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 12,750/- रुपये प्रतिमाह का वेतनमान प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए वही अभ्यर्थी पात्र होंगे जिनका नाम जिला मंडी के किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है। इच्छुक उम्मीदवार अपने सभी मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, आधार कार्ड तथा रोजगार कार्यालय द्वारा जारी पंजीकरण पत्र सहित साक्षात्कार के लिए उपस्थित हो सकते हैं।

साक्षात्कार का आयोजन 3 जून को उप रोजगार कार्यालय सुंदरनगर में, 4 जून को उप रोजगार कार्यालय सरकाघाट में, 5 जून को क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय मंडी में और 6 जून को उप रोजगार कार्यालय बालीचौकी में सुबह 10:30 बजे से निर्धारित स्थानों पर किया जाएगा।

सीबीआई जांच के आदेश से सरकार में हड़कंप, भ्रष्टाचार उजागर होने से डरी सरकार : जयराम ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि विमल नेगी के मामले की सीबीआई जांच से सरकार हड़कंप मचा है। सबके हाथ पांव फूल गए हैं। भ्रष्टाचार उजागर होने के डर से सबकी नींद उड़ी हुई है। सरकार जानबूझकर विमल नेगी के मौत की जांच सीबीआई से नहीं करवाना चाहती है। इसी कारण मुख्यमंत्री की शह पर सीबीआई की जांच रुकवाने के लिए शिमला पुलिस अधीक्षक द्वारा न्यायालय में पुनर्विचार दाखिल करवाई गई है। जब इस पुनर्विचार याचिका में एडवोकेट जनरल की सहमति है तो इसका मतलब है कि सरकार की भी सहमति हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह कहते हैं कि अगर विमल नेगी परिजन उनके पास आकर सीबीआई जांच की मांग करते तो वह स्वत: मामला सीबीआई को दे देते दूसरी तरफ जांच न होने पाए, उसके लिए साजिशें कर रह हैं। हाई कोर्ट द्वारा सुक्खू सरकार और हिमाचल पुलिस पर तल्ख टिप्पणी करते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के बाद भी मामला सीबीआई को नहीं सौंपने दिया जा रहा हैं। सरकार किसी न किसी प्रकार से अड़ंगा लगाकर जांच को रुकवाना या जांच में देरी करवाना चाह रही है। पुलिस द्वारा

अहम सबूत मिटाने और पेनड्राइव फॉर्मेट करने का कारनामा पूरे देश ने देखा है। माननीय न्यायालय ने निष्पक्ष और नैसर्गिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए ही यह भी कहा था कि पूरे प्रकरण की जांच में सीबीआई का एक भी अधिकारी हिमाचल से संबंधित नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री से उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि वह सीबीआई जांच होने दें और अड़ंगा लगाने के बजाय सहयोग करें।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री ने राजनीतिक मजबूरियों के चलते भले ही सीबीआई जांच का स्वागत करने का ढोंग किया था लेकिन उन्होंने माननीय न्यायालय के फैसले पर अनर्गल टिप्पणी करके पहले दिन से ही अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। जिस तरीके से सरकार सीबीआई जांच रोकने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है उस हिसाब से विमल नेगी की मौत के मामले में कुछ बहुत बड़ा है जो छुपाया जा रहा है। जिसके सामने आने से सरकार की चूलें हिल जाएगी। विमल नेगी का परिवार, पॉवर कारपोरेशन के कर्मचारी, भारतीय जनता पार्टी, प्रदेश के लोग पहले दिन से ही इस मामले की सीबीआई जांच चाहते थे। सबने अपने-अपने स्तर से सड़क से लेकर न्यायलय तक संघर्ष किया।

विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत गठित समितियों की बैठकें आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता

सोलन : उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने यहां अनुसूचित जाति, जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत गठित सतर्कता एवं प्रबोधन समिति, प्रधानमंत्री का नया 15 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत त्रैमासिक बैठक, ज़िला स्तरीय समिति, दिव्यांगजन अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2016 के अंतर्गत गठित ज़िला स्तरीय समिति, मैनुअल स्कवैंजर्स अधिनियम, 2013 के अंतर्गत ज़िला स्तरीय समिति तथा राष्ट्रीय न्यास के अंतर्गत स्थानीय स्तरीय समिति की त्रैमासिक बैठकों की अध्यक्षता की।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति समुदाय के लिए व्यक्तिगत तथा आधारभूत विकास योजनाओं का कार्यान्वयन कर उनका आर्थिक, सामाजिक तथा शैक्षणिक उत्थान सुनिश्चित बनाना है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत ज़िला में वर्तमान में 57 से अधिक मामले विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन हैं।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति अधिनियम, 1989 के तहत ज़िला में 03 मामलों को रद्द करने की अनुशंसा प्राप्त हुई है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को मामलों की परामर्श रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिनियम के अंतर्गत राहत राशि प्रदान करने के लिए एक मामला प्राप्त हुआ है। उन्होंने संबंधित विभागों को अनुसूचित जाति, जनजाति अधिनियम, 1989 के विषय पर समय-समय पर जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

मनमोहन शर्मा ने प्रधानमंत्री का नया 15 सूत्रीय कार्यक्रम के तहत संबंधित विभागों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आवास योजना के तहत मुस्लिम समुदाय के लिए 12 मकानों के निर्माण पर 18 लाख रुपए की राशि व्यय की गई है।

विकास परियोजनाओं में वन स्वीकृति मामलों का तुरंत करें निपटारा : डीसी

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : कांगड़ा जिला प्रशासन ने जिले में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए वन संरक्षण अधिनियम (एफसीए) और के तहत मंजूरी के मामलों में सभी बाधाओं को दूर करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने विकास परियोजनाओं में वन स्वीकृति मामलों का तुरंत निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने विकास परियोजनाओं को गति देने के मकसद से सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के लिए गठित जिला स्तरीय समन्वय समिति की वीरवार को धर्मशाला में बैठक ली। बैठक में कांगड़ा जिले में विकास परियोजनाओं से जुड़े एफसीए और एफआरए मामले तथा अन्य विभागीय मंजूरी से संबंधित मामलों की वस्तुस्थिति और प्रगति को लेकर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। बैठक में उपायुक्त ने विकास परियोजनाओं को लेकर एफसीए के मंजूरी के मामलों में प्रगति की विभागवार रिपोर्ट ली। उन्होंने अधिकारियों से जाना कि मामलों में क्लीयरेंस की स्थिति क्या है, लंबित होने के क्या कारण हैं, क्या क्या आपत्तियां लगी हैं और उनके निराकरण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। उन्होंने वन मंजूरी से जुड़े मामलों में लगी आपत्तियों के निदान को लेकर जरूरी मार्गदर्शन किया।

पनडुब्बी रोधी और उथले पानी में चलने वाले युद्धपोत परियोजना के अंतिम युद्धपोत के निर्माण कार्य का शुभारंभ

नई दिल्ली : कोच्चि शिपयार्ड लिमिटेड, कोच्चि में बनाए जा रहे पनडुब्बी रोधी और उथले पानी के आठवें और अंतिम युद्धपोत (बीवाई 530), (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) के निर्माण कार्य का शुभारंभ 29 मई 2025 को वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन, (युद्धपोत निर्माण और अधिग्रहण) की उपस्थिति में किया गया। इस समारोह में भारतीय नौसेना और सीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मिलित हुए। अंतिम युद्धपोत के %निर्माण% का ये अहम पल, महत्वपूर्ण युद्धपोत निर्माण परियोजना में निरंतर प्रगति को दर्शाता है, जिसमें सभी प्लेटफॉर्म उत्पादन के अग्रिम चरणों में हैं। 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ, ये युद्धपोत भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल का उदाहरण हैं।

रक्षा मंत्रालय द्वारा 30 अप्रैल 2019 को आठ पनडुब्बी रोधी और उथले पानी के युद्धपोत के निर्माण का अनुबंध सीएसएल, कोच्चि को दिया गया था। %माहे% श्रेणी के रूप में जाने जाने वाले इन युद्धपोत को स्वदेशी रूप से विकसित अत्याधुनिक अंडरवाटर सेंसर से लैस किया जा रहा है, और इन्हें पनडुब्बी रोधी अभियानों के साथ-साथ कम तीव्रता वाले समुद्री अभियान (एलआईएमओ) और सुरंग बिछाने के कार्यों को करने के लिए तैयार किया गया है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अनुकरणीय सेवा के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले ग्रामीण डाक सेवकों की केंद्रीय संचार मंत्री के साथ बातचीत

नई दिल्ली : डाक विभाग ने ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) के सराहनीय योगदान का जश्न मनाया और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उनकी असाधारण सेवा के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया। केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने नई दिल्ली में आयोजित एक बैठक में प्रतिभागियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। बैठक के दौरान डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीडीएस के प्रयासों को मान्यता देना और उन्हें केंद्रीय मंत्री से व्यक्तिगत रूप से संवाद करने का अवसर प्रदान करना था। देश भर के सभी 23 डाक सर्किलों से कुल 33 जीडीएस ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जो भारतीय डाक द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले विविध और विशाल ग्रामीण परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीण डाक सेवकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की, जो ग्रामीण भारत में डाक नेटवर्क की रीढ़ हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विभाग के लिए जीडीएस जमीनी स्तर पर काम करते हैं, इसलिए देश भर में डाक और वित्तीय सेवाओं की डिलीवरी में उनका योगदान महत्वपूर्ण है।

वियतनाम की ऐतिहासिक तीर्थयात्रा के बाद बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत लौटे

नई दिल्ली : भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वियतनाम में एक महीने तक चले अपने प्रदर्शनी दौरे के दौरान मिले जबरदस्त आध्यात्मिक प्रतिसाद के बाद, सोमवार, 2 जून 2025 को भारतीय वायु सेना के विमानों से भारत लौटेंगे और रात करीब 10ः00 बजे दिल्ली पहुंचेंगे। ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति के नेतृत्व में भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल द्वारा ले जाए गए अवशेषों को पालम वायु सेना स्टेशन पर अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) के अधिकारियों और वरिष्ठ भारतीय भिक्षुओं द्वारा औपचारिक रूप से प्राप्त किया जाएगा। 21 मई को समाप्त होने वाली इस प्रदर्शनी को आध्यात्मिक उत्साह और बढ़ती सार्वजनिक श्रद्धा के कारण वियतनाम सरकार के विशेष अनुरोध पर 2 जून तक बढ़ा दिया गया था। विस्तारित दौरे के दौरान, पवित्र अवशेषों ने नौ शहरों का दौरा किया, जिसमें 15 मिलियन से अधिक भक्त बुद्ध का आशीर्वाद लेने के लिए एकत्र हुए। दिल्ली पहुंचने के बाद, पवित्र अवशेषों को मंगलवार, 3 जून की सुबह से एक दिन के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय में सार्वजनिक दर्शन के लिए रखा जाएगा। दिन में वरिष्ठ भिक्षुओं, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महासचिव और राजनयिक दल के प्रतिनिधियों द्वारा एक औपचारिक प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी।

वैज्ञानिक गांव-गांव आ रहे हैं, किसान उनसे संवाद करें, सवाल पूछे : केंद्रीय मंत्री चौहान

नई दिल्ली : पंद्रह दिन चलने वाले 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज जम्मू पहुंचे, जहां वे आरएस पुरा सेक्टर में पदयात्रा में शामिल हुए, वहीं तिरंगा यात्रा के साथ किसानों व वैज्ञानिकों का उत्साह बढ़ाया। साथ ही, उन्होंने महिला किसानों और महिला उद्यमियों से संवाद किया और ड्रोन कर्मियों से भी सीधी चर्चा की। श्री शिवराज सिंह ने जम्मू में बॉर्डर से सटे- एक किलोमीटर दूरी पर स्थित गांव चक्रोही में भी किसानों से संवाद किया और उनके खेत और नर्सरी फार्म देखने के साथ ही उनसे विस्तार से खेती की जानकारी ली।

इस अवसर पर श्री शिवराज सिंह ने भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को प्रणाम किया और हमारे वीर जवानों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि हम किसी को छेड़ते नहीं है और कोई यदि छेड़ता है तो उसे छोड़ते नहीं है। श्री चौहान ने कहा- पहलगाम की घटना मानवता पर कलंक है। इसलिए, जिन्होंने हमारी बेटियों की मांग का सिंदूर पोंछा, हमारी सेना ने उनके आतंक के अड्डे तबाह और बर्बाद कर दिए, तीन दिन में पाकिस्तान घुटनों पर आ गया, वो गोली चलाएंगे तो हम गोला चलाएंगे। भारत ने पाक पर पहले हमला नहीं किया, हमने नागरिकों व उनकी सेना पर भी हमला नहीं किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने जम्मू-कश्मीर के किसानों और गांव में रहने वाले भाई-बहनों को भी प्रणाम किया और कहा कि तनाव और युद्ध की स्थिति में यहां गोले बरसते हैं, लेकिन कितने साहस के साथ आप मुकाबला करते हैं।

"हमारी सरकार सभी श्रमिकों के लिए एक उदार और व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है"

श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

हिमाचल प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

30 बिस्तरों वाले (100 बिस्तरों तक उन्नयन योग्य) ईएसआईसी अस्पताल, काला आम्ब, सिरमौर का उद्घाटन

डॉ. मनसुख मांडविया
श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री,
भारत सरकार

के कर कमलों द्वारा

मुख्य विशेषताएं

अत्याधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं से सुसज्जित अस्पताल

ओपीडी, इमरजेंसी, मॉड्यूलर ओ.टी., सामान्य चिकित्सा, सर्जरी, स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग, नेत्र, दंत चिकित्सा, फार्मेसी और डायग्नोस्टिक सुविधा उपलब्ध

14,000 वर्ग मीटर में विस्तृत, लगभग ₹100 करोड़ की राशि से निर्मित

सिरमौर एवं आसपास के इलाकों के लगभग 1 लाख से अधिक बीमित कामगारों और उनके परिवार को लाभ

शनिवार, 31 मई 2025 प्रातः 10.30 बजे काला आम्ब, सिरमौर, हि.प्र.

ब्रीफ न्यूज

भारत ने अमेरिका को आईफोन एक्सपोर्ट करने के मामले में चीन को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जहां एक तरफ पूरी दुनिया में टैरिफ पॉलिसी को लेकर उथल-पुथल मचा रखा है, वहीं दूसरी ओर भारत

ने चुपचाप एक बड़ा कारनामा कर दिखाया। खास बात ये है कि भारत ने अमेरिका और चीन के सामने ये कारनामा कर दिखाया और दोनों देश सिर्फ एक-दूसरे का मुंह ही ताकते रह गए। जी हां, भारत ने अमेरिका को आईफोन एक्सपोर्ट करने के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया। भारत द्वारा अमेरिका को भेजे जाने वाले आईफोन की संख्या में इस साल अप्रैल में, पिछले साल की तुलना में 76 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। कैनालिस के डेटा की मानें तो अप्रैल में भारत ने अमेरिका को करीब 30,00,000 आईफोन एक्सपोर्ट किए हैं।

डेटा के मुताबिक, अप्रैल 2025 में चीन की शिपमेंट में 76 फीसदी की गिरावट आई है। चीन ने अप्रैल में अमेरिका को 9,00,000 आईफोन एक्सपोर्ट किए। ये उछाल ऐसे समय आया है जब ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से उपजे टैरिफ वॉर के बीच एप्पल ने अपनी मेड इन इंडिया योजना में तेजी लाई है। अब ओमडिया का हिस्सा बन चुके कैनालिस ने बताया कि उन्होंने कस्टम रिकॉर्ड और आईफोन डिस्ट्रीब्यूटर्स ये डेटा इकट्ठे किए हैं। सीएनबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के मौजूदा टैरिफ पॉलिसी के तहत चीन से आने वाले आईफोन पर अभी भी 30 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगता है, जबकि भारत समेत अन्य देशों के लिए बेसलाइन टैरिफ रेट 10 प्रतिशत है।

वित्त वर्ष 2024-25 में हुआ 36,014 करोड़ रुपये का फ्रॉड

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि लोन अकाउंट और डिजिटल पेमेंट से जुड़े फ्रॉड के मामलों में कुल अमाउंट पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर तीन गुना हो गई। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इसका मुख्य कारण सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 122 मामलों का पुनर्वर्गीकरण था।

आरबीआई ने एक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में धोखाधड़ी वाली राशि बढ़कर 36,014 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 12,230 करोड़ रुपये थी। हालांकि, फ्रॉड के मामलों की संख्या पिछले वित्त वर्ष में घटकर 23,953 रह गई, जो 2023-24 में 36,060 थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष में फ्रॉड में शामिल राशि में हुई बढ़ोतरी मुख्य रूप से पिछले वित्त वर्षों के दौरान दर्ज किए गए 18,674 करोड़ रुपये के 122 मामलों में धोखाधड़ी वर्गीकरण को हटाने और सुप्रीम कोर्ट के 27 मार्च, 2023 के फैसले के अनुपालन को सुनिश्चित करने और पुनः परीक्षण के बाद चालू वित्त वर्ष के दौरान नए सिरे से रिपोर्ट करने के कारण हुई।

इसमें कहा गया है कि संख्या के लिहाज से मुख्य रूप से डिजिटल पेमेंट सेगमेंट में फ्रॉड हुआ है, जिसमें कार्ड और इंटरनेट शामिल है। जबकि, वैल्यू के लिहाज से सबसे ज्यादा फ्रॉड लोन सेगमेंट में हुआ है। संख्या के हिसाब से, वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक फ्रॉड के लगभग 60 प्रतिशत मामलों में प्राइवेट सेक्टर के बैंकों की हिस्सेदारी है, जबकि वैल्यू के हिसाब से सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी 71 प्रतिशत से ज्यादा है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 6.99 अरब डॉलर की बढ़त

नई दिल्ली : भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर शुक्रवार को एक बहुत अच्छी खबर आई है। 23 मई को खत्म हुए सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.99 अरब डॉलर की छप्परफाड़ बढ़त के साथ 692.72 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। बताते चलें कि इससे पहले 16 मई को खत्म हुए सप्ताह में देशी का विदेशी मुद्रा भंडार 4.89 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट के बाद 685.73 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के लाइफटाइम हाई पर पहुंच गया था।

9 मई को खत्म हुए सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 690.62 अरब डॉलर हो गया था। उससे पहले, 2 मई को खत्म हुए हफ्ते में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.06 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 686.06 अरब डॉलर हो गया था। उससे भी एक हफ्ते पहले, 25 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में मुद्रा भंडार 1.98 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 688.13 अरब डॉलर हो गया था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 23 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 45.16 लाख डॉलर बढ़कर 586.17 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। इस दौरान देश के गोल्ड रिजर्व (स्वर्ण भंडार) की वैल्यू 2.37 अरब डॉलर बढ़कर 83.58 अरब डॉलर हो गई।

विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.57 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 3 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.40 अरब डॉलर हो गया।

ओयो की मूल कंपनी का नया नाम सुझाएं और जीतें 3 लाख रुपए!

नई दिल्ली : ग्लोबल ट्रैवल टेक प्लेटफ़ॉर्म ह्वह्वह अपनी मूल कंपनी (पैरेंट कंपनी) का नाम बदलने की पहल कर रहा है। इसके लिए ओयो के संस्थापक संस्थापक रितेश अग्रवाल ने अपनी मूल कंपनी ओरावेल स्टेज़ के लिए नाम के सुझाव आमंत्रित किए हैं। पीटीआई की खबर के मुताबिक, ओयो प्रीमियम सेगमेंट में और पेशकश करने की योजना बना रहा है। बता दें, कंपनी की तरफ से यह एक रणनीतिक कदम है, क्योंकि ओयो अपना आईपीओ लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है।

खबर के मुताबिक, रणनीति से परिचित लोगों ने कहा कि बहुत संभावना है कि सुझाए गए नाम की इस प्रक्रिया के जरिए चुना गया नाम उस प्रीमियम होटल ऐप का नाम हो सकता है, जिसे ह्वह्वह निकट भविष्य में लॉन्च करने पर काम कर रहा है। विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार देने के साथ-साथ उनसे मिलने का मौका भी दिया जाएगा। अग्रवाल ने नई पहचान बनाने में मदद के लिए नाम के सुझाव मांगने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म का सहारा लिया।

सोशल मीडिया पर अग्रवाल ने लिखा- हम इस सबके पीछे मौजूद कॉर्पोरेट ब्रांड का नाम बदल रहे हैं। होटल चेन नहीं, कोई उपभोक्ता उत्पाद नहीं- बल्कि शहरी इनोवेशन और आधुनिक जीवन के ग्लोबल ईकोसिस्टम को शक्ति प्रदान करने वाली मूल कंपनी। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनिया को एक नए तरह का ग्लोबल ब्रांड मिले - जो भारत में पैदा हो, लेकिन दुनिया के लिए बनाया गया हो।

अग्रवाल ने बताया कि यह एक बोल्ड, एक-शब्द कॉर्पोरेट नाम होना चाहिए, वैश्विक अनुभव वाला, किसी एक संस्कृति या भाषा से बंधा हुआ नहीं, तकनीक-अग्रणी, तीक्ष्ण, लेकिन मानवीय और यादगार भी होना चाहिए, और आतिथ्य से परे बढ़ने के लिए पर्याप्त व्यापक होना चाहिए। ऐसा हो जिसका डॉट कॉम डोमेन उपलब्ध होना चाहिए।

ओयो ने जून में अपने प्रमुख शेयरधारक सॉफ्टबैंक के लंदन स्थित ग्रोसवेनर स्ट्रीट कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रस्तुति देने के लिए पांच निवेश बैंकों की व्यवस्था की है, जो कंपनी के सार्वजनिक लिस्टिंग के मार्ग को निर्धारित कर सकता है, क्योंकि यह चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में आईपीओ लॉन्च करने की योजना बना रही है।

सेबी ने अरशद वारसी और उनकी पत्नी समेत 57 को बाजार से किया बैन

नई दिल्ली : भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने गुरुवार को बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी, उनकी पत्नी मारिया गोरेट्टी और 57 अन्य को 1 से 5 साल तक के लिए सिक्योरिटी मार्केट से बैन कर दिया है। सेबी ने यूट्यूब चैनल पर भ्रामक वीडियो से जुड़े एक मामले में इन सभी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इन लोगों ने यूट्यूब चैनलों पर निवेशकों से साधना ब्रॉडकास्ट के शेयर खरीदने की सिफारिश की थी। सेबी ने साधना ब्रॉडकास्ट (अब क्रिस्टल बिजनेस सिस्टम लिमिटेड) के प्रोमोटरों समेत 57 अन्य इकाइयों पर 5 लाख रुपये से लेकर 5 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया है। बताते चलें कि अरशद वारसी ने मुन्ना भाई एमबीबीएस, इश्किया, जॉली एलएलबी जैसी फिल्मों में प्रमुख किरदार निभाया है। सेबी ने अरशद वारसी और उनकी पत्नी मारिया को बाजार से प्रतिबंधित करने के साथ ही 5-5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

रोहित शर्मा ने रच दिया इतिहास, ऐसा करने वाले बने पहले भारतीय बल्लेबाज, एक साथ दो निशाने

नई दिल्ली : रोहित शर्मा ने आईपीएल में इतिहास रच दिया है, जो काम आज तक कोई भी भारतीय बल्लेबाज नहीं कर पाया, वो काम रोहित शर्मा ने करके दिखा दिया है। रोहित शर्मा को एलिमिनेटर में भले ही दो जीवनदान मिले हों, लेकिन इसके बाद भी रो?हित शर्मा ने अपने आक्रामक अंदाज में जरा सी भी ढील नहीं दी। रोहित शर्मा ने ऐसी कड़ाकेदार बल्लेबाजी की, जिसने भी देखा बस देखता ही रह गया।

आईपीएल एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस का मुकाबला गुजरात टाइटंस के साथ है। इस मैच में रोहित शर्मा को शुरुआत में जीवनदान मिल गया। उन्हें पहले तीन रन और इसके बाद 12 रन

पर जीवनदान मिला। इसके बाद रोहित शर्मा ने कोई मौका नहीं दिया और लगातार रन बनाते ही चले गए। रोहित शर्मा ने जैसे ही मुकाबले में दो छक्के लगाए, इसके साथ ही वे आईपीएल में 300 सिक्स लगाने वाले भारत के पहले और दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए।

आईपीएल में सबसे ज्यादा ?छक्के लगाने के मामले में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं। उन्होंने केवल 142 आईपीएल मैच खेलकर ही 357 सिक्स लगाने का काम किया है। वे इतने आगे हैं कि दूसरे किसी बल्लेबाज को उनकी बराबरी के लिए कुछ वक्त लगेगा। इस बीच अब रोहित शर्मा ने भी 300 सिक्स का मुकाम छू लिया है। ये रोहित शर्मा का आईपीएल में 272वां मुकाबला है। हालांकि जल्द ही विराट कोहली भी 300 सिक्स पूरे कर सकते हैं। कोहली अब तक 266 आईपीएल मैच खेलकर 291 सिक्स लगा चुके हैं, यानी उन्हें केवल 9 ही सिक्स चाहिए। जो शायद इस साल तो नहीं, लेकिन अगले साल जरूर पूरे हो जाएंगे।

इतना ही नहीं, रोहित शर्मा ने आईपीएल में अपने सात हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। इस मामले में पहले नंबर पर विराट कोहली हैं। जो अब तक 266 मुकाबले खेलकर 8618 रन बना चुके हैं। रोहित शर्मा ने अपने 272वें मुकाबले में सात हजार रन पूरे कर लिए हैं। इस मैच से पहले तक रोहित के नाम 6976 रन थे, जो अब सात हजार के पार चले गए हैं। रोहित शर्मा ने अब तक आईपीएल में दो शतक और 47 अर्धशतक लगाए हैं।

ईशान किशन को इंडिया-ए की प्लेईंग 11 में ही नहीं मिली जगह

नई दिल्ली : ईशान किशन भारतीय टेस्ट टीम से पिछले दो साल से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के लिए भी भारतीय टेस्ट टीम में नहीं चुना गया। इससे उनके टेस्ट करियर पर बड़े सवाल खड़े हुए। फिर इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली इंडिया-ए की टीम में उन्हें मौका मिल गया। ऐसे में सभी को उम्मीद थी कि इंडिया-ए के लिए वह खेलते हुए दिखाई देंगे। लेकिन अब इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनऑफिशियल टेस्ट मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली है।

पहले अनऑफिशियल टेस्ट मैच में ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर के तौर पर स्क्वाड में जगह दी गई है, जबकि ईशान किशन को नजरअंदाज कर दिया गया है। प्लेइंग इलेवन में यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, सरफराज खान और शार्दुल ठाकुर जैसे प्लेयर्स शामिल हैं।

ईशान किशन ने भारतीय टीम के लिए साल 2023 में टेस्ट में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने एक टेस्ट मैच और खेला, लेकिन फिर खराब फॉर्म की वजह से ही वह टीम से बाहर हो गए। उन्होंने टीम इंडिया के लिए दो टेस्ट मैच में 78 रन बनाए हैं।

टेस्ट के अलावा वह वनडे और टी20 टीम से भी बाहर चल रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए 27 वनडे मैच में 933 रन और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 796 रन बनाए हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए गई इंडिया-ए की कमान अभिमन्यु ईश्वरन को मिली है।

यशस्वी जायसवाल सस्ते में आउट होकर लौटे पवेलियन

मुंबई : वैसे तो अभी आईपीएल का फाइनल होना है और ये पता चलना बाकी है कि इस बार चैंपियन कौन बना, लेकिन इससे पहले ही भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज का माहौल बनना शुरू हो गया है। भारत और इंग्लैंड बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून से होगा, लेकिन इस वक्त भारत की ए टीम और इंग्लैंड लायंस के बीच मैच शुरू हो चुका है। इस मैच में उस खिलाड़ी ने ही धोखा दे दिया, जिससे सबसे ज्यादा उम्मीदें थी। यशस्वी जायसवाल इंडिया ए ओर से खेलते हुए भी काफी सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट गए।

भारत की ए टीम की कमान अभिमन्यु ईश्वरन को दी गई है। साथ ही कई ?टेस्ट टीम के खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल है। भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच जब मुकाबला शुरू हुआ तो कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन और यशस्वी जायसवाल पारी का आगाज करने के लिए उतरे। जब टीम का स्कोर केवल 12 रन था, तब कप्तान ईश्वरन केवल 8 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन जायसवाल क्रीज पर टिके रहे।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए करुण नायर आए। दोनों ने कुछ देर तक तो जद्दोजहद की, लेकिन फिर यशस्वी जायसवाल भी चलते बने, जब टीम का स्कोर केवल 51 रन ही था। यशस्वी जायसवाल ने 55 बॉल पर 24 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से तीन चौके और एक छक्का आया।

आईपीएल फाइनल में विराट कोहली बना सके हैं केवल इतने ही रन

नई दिल्ली : दुनिया के सबसे धाकड़ बल्लेबाजों में से एक विराट कोहली एक बार फिर से आईपीएल के फाइनल में खेलते हुए नजर आएंगे। वैसे तो कोहली अब तक तीन बार आईपीएल का फाइनल खेल चुके हैं, लेकिन इस बार ये मौका 9 साल बाद आया है, इसलिए कौतूहल ज्यादा है। हालांकि अगर पिछले तीन फाइनल पर नजर डालें तो पता चलता है कि अब तक कोहली का बल्ला खिताबी भिड़ंत में बहुत कम चला है, लेकिन क्या इस बार किंग कोहली का बल्ला उसी तरह से गरजेगा, जिसके लिए वे जाने और पहचाने जाते हैं, ये देखना जरूर दिलचस्प होगा।

विराट कोहली ने आईपीएल का पहला फाइनल साल 2009 में ही खेल लिया था। उस साल डेक्कन चार्जर्स और आरसीबी के

बीच ये मुकाबला हुआ था। विराट कोहली नंबर छह पर बल्लेबाजी के लिए आए थे और वे आठ बॉल पर केवल सात रन बनाकर आउट हो गए थे। उस मैच में आरसीबी को 6 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद दूसरा मौका आया साल 2011 में। उस साल चेन्नई सुपरकिंग्स और आरसीबी के बीच आईपीएल का फाइनल खेला गया। इस मैच में कोहली ओपनिंग कर रहे थे, इस दौरान उन्होंने 32 बॉल पर 35 रनों की पारी खेली थी। लेकिन उनकी टीम को 58 रनों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था।

साल 2016 में एक बार फिर से विराट कोहली को आईपीएल खेलने का मौका मिला। तब आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें आमने सामने थीं। इस बार विराट कोहली ने 35 बॉल पर 54 रनों की पारी खेली थी। ये उनका आईपीएल फाइनल में पहला और आखिरी अर्धशतक है। इसके बाद टीम फाइनल नहीं खेल पाई, खिताब जीतने की तो बात ही दूर की है। अब इस साल फिर से आरसीबी ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

कुल मिलाकर देखें तो विराट कोहली अब तक तीन आईपीएल खेलकर कुल 96 रन ही बना सके हैं, यानी पूरे 100 उनके खाते में नहीं हैं। इसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 54 रन का है। उनका औसत करीब 32 का है और वे 128 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते रहे हैं। अब देखना यही होगा कि क्या इस बार विराट कोहली बड़ी पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने में कामयाब हो पाते हैं या फिर खिताब का सपना इस बार भी चूर चूर हो जाएगा।

संत परमेश्वर का सगुण रुप है।

– संत ज्ञानेश्वर

लड़ाई को नई दिशा दे दी

भारत सरकार ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंक से निपटने की नीति में बदलाव लाकर इस लड़ाई को नई दिशा दे दी है। अब घर में घुसकर आतंकियों का सफाया करना 'न्यू नॉर्मल' मान लिया गया है। इस 'न्यू नॉर्मल' को दुनिया न सिर्फ स्वीकार करें बल्कि सहयोग भी दे, इसके लिए प्रतिनिधिमंडल भेजे जा रहे हैं। दूसरी तरफ, पाकिस्तान, आतंकियों और उनकी हरकतों को राजनीति की मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान के सियासी नेताओं और सैन्य अफसरों के भारतीय हमले में मारे गए आतंकियों के अंतिम संस्कार में सार्वजनिक रूप से नजर आना यही बताता है कि अब आतंकियों का खुल्लम–खुल्ला इस्तेमाल होने वाला है।

पाकिस्तान में खुलेआम रैली कर रहे लश्कर–ए–तैयबा के कमांडर सैफुल्लाह कसूरी की सार्वजनिक उपस्थिति और पहलगाम हमले पर उसकी स्वीकारोक्ति को भी इसी नजरिये से देखे जाने की जरूरत है। वैश्विक आतंक के खिलाफ लड़ाई में स्वयंभू अगुवा बने अमरीका की नीति पाकिस्तान को लेकर भी हमेशा से लचीली रही है। पिछले सात दशक में यह बार–बार साबित हुआ है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पाकिस्तान से अमरीका के रिश्ते अडिग रहे हैं। वह दशकों से पाकिस्तान को दक्षिण एशिया और मध्य–पूर्व के बीच रणनीतिक सहयोगी के रूप में इस्तेमाल करता है।

उसे आतंक को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों से भी परहेज नहीं रहा है। पिछले दिन पाकिस्तान के मंत्रियों ने टीवी कैमरों के सामने यह स्वीकार किया था। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के बीच भी पाकिस्तान को आइएमएफ से आर्थिक मदद दिलाने में अमरीका ने अहम भूमिका निभाई है। वैसे भी भारत मेंआतंकी हमलों पर अमरीकी सरकार की प्रतिक्रिया निंदा करने तक सीमित रही है। वजह भी अमरीका की दोहरी कूटनीति ही है। वह एक तरफ भारत की बढ़ती आर्थिक हैसियत का व्यापार में फायदा उठाना चाहता है तो दूसरी तरफ भारत और चीन के बढ़ते वैश्विक कद को कमतर करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल भी करना चाहता है। यह दोहरा और परस्पर विपरीत बर्ताव अमरीका के लिए 'नॉर्मल' है। पाकिस्तान ने पहलगाम में आतंकी हमले कराने के लिए उस समय का चयन किया जब अमरीकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत की यात्रा पर थे।

तन-मन के परे जाने का साधन ध्यान

जब आप अपनी पहचान एक शरीर के रूप में करते हैं, तो जीवन के बारे में आपकी सारी समझ सिर्फ जीवित रहने भर के बारे में होगी। अगर आप अपनी पहचान अपने मन के रूप में करते हैं, तो आपकी सारी समझ सिर्फ पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक दृष्टिकोण की गुलाम ही होगी। आप इन सब के परे देख ही नहीं सकते। केवल जब आप अपने ही मन के फेर से मुक्त होंगे, तब ही आप परे के आयाम को जान पाएंगे। यह शरीर और यह मन आपके नहीं हैं। ये कुछ ऐसी चीजें हैं जो आपने कुछ समय में इकट्ठा की हैं। आपका शरीर आपके खाए हुए भोजन का एक ढेर मात्र है। आपका मन केवल आपके द्वारा बाहर से इकट्ठा किए हुए प्रभावों का एक ढेर है।

आपने जो इकट्ठा किया है वो आपकी संपत्ति है। जैसे कि आपका घर है, बैंक में जमा रकम है, वैसे ही आपके पास शरीर और मन है। बैंक में अच्छी रकम, एक अच्छा शरीर और एक अच्छा मन एक अच्छा जीवन जीने के लिए जरूरी हैं, पर पर्याप्त नहीं हैं। कोई भी मनुष्य इन चीजों से कभी भी संतुष्ट नहीं रहेगा। ये जीवन को सिर्फ आरामदायक बनाएंगे। पहले की किसी भी पीढ़ी ने इस तरह के आराम की, इस तरह की सुविधाओं की कल्पना भी नहीं की थी, जो हमारे पास हैं।

फिर भी हम यह नहीं कह सकते कि इस धरती पर हम सबसे ज्यादा आनंदित और सबसे ज्यादा प्रेमपूर्ण पीढ़ी हैं। आपके जीवित रहने के लिए आपके पास शरीर और मन, ये जो दो साधन हैं, वे ठीक हैं पर वे आपको पूर्णता नहीं देंगे। उनसे आपको संतोष नहीं मिलेगा, क्योंकि मनुष्य का गुण ही है जितना है उससे ज्यादा चाहना। अगर आप नहीं जानते कि आप कौन हैं, तो क्या आप ये जानने के काबिल हैं कि ये दुनिया क्या है? आप जो हैं, उसके सही गुणों का अनुभव करने के लिए आपको अपने शरीर और मन के परे जाना होगा। योग और ध्यान, इसके लिए वैज्ञानिक साधन हैं।

आध्यात्मिक प्रक्रिया: जीवन के लिए स्वच्छंद उत्साह– आमतौर पर दुनिया में हर कोई अपने सपनों को पूरा करने की सोचता है। आपका सपना जो कुछ भी हो, यह आपके अतीत का एक बढ़ाया–चढ़ाया हुआ रूप होता है। आप किसी ऐसी चीज का सपना नहीं देख सकते जिसे आप जानते नहीं हैं। तो, आप जो जानते हैं, उसी के आधार पर तय करते हैं कि आपको भविष्य में क्या करना है। जब आप पहले से जो जानते हैं, उसी से अपना भविष्य तय करते हैं, तो एक तरह से आप यह सुनिश्चित कर लेते हैं कि आपके साथ कभी भी कुछ नया नहीं होगा। भविष्य के लिए ऐसे सपने एक संभावना नहीं है। आप भविष्य में अतीत की तलाश कर रहे हैं। आप वास्तव में वापस लौट रहे हैं, लेकिन आपको लगता है कि आप आगे बढ़ रहे हैं। किसी लक्ष्य के बिना बस यहां रहना ही एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। इसका मतलब सुस्त और शिथिल होना नहीं है। एक आध्यात्मिक प्रक्रिया का अर्थ है कि अभी जो कुछ भी हो रहा है, उसके साथ गहरी भागीदारी के साथ में रहना, लेकिन लक्ष्य के बिना।

यदि आप इस तरह से यहां बैठने की हिम्मत रखते हैं कि 'कल जो कुछ भी होगा, मुझे मंजूर है, लेकिन अभी मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, उसे मैं सबसे अच्छे तरीके से करूंगा' तो आप स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिक होंगे। आध्यात्मिक प्रक्रिया जीवन के लिए एक स्वच्छंद उत्साह होने से अलग नहीं है। समूचे ज्ञान को प्राप्त करने के लिए आपको अपने अंतर्मन की गहराइयों में झांकना होगा और जीवन का सही अर्थ और भाव क्या है इसे जानना होगा।

31 may Page No -7.qxd 5/31/2025 7:56 AM Page 1

बिजेथुआ महावीरन धाम

बिजेथुआ महावीरन धाम, सुल्तानपुर में स्थित एक प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर है। यहां मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। इस मंदिर की एक विशिष्ट कथा रामायण से जुड़ी है। जब भगवान हनुमान लक्ष्मण के लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तो उन्होंने इसी स्थान पर कालनेमि नामक दैत्य का वध किया था और कुछ समय विश्राम किया था। इस स्थान पर स्थित मकर कुंड में हनुमान जी ने स्नान भी किया था, जो मंदिर के पास ही है। रावण ने भगवान राम के कार्य में बाधा डालने के लिए कालनेमि को नियुक्त किया था। लोगों का मानना है कि हनुमान जी का दाहिना पैर पाताल लोक तक चला गया था। इस दावे की जांच के लिए पुरातत्व विभाग ने खुदाई करवाई, लेकिन पैर का अंत नहीं मिल सका। यहां हनुमान जी की एक पत्थर की प्रतिमा स्थापित है, जो न केवल सुल्तानपुर जिले के लोगों के लिए, बल्कि आसपास के कई जिलों जैसे जौनपुर, अयोध्या, अंबेदकरनगर और प्रतापगढ़ के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है। खासतौर पर मंगलवार और शनिवार को यहां मेले जैसा वातावरण होता है।

मकड़ी द्वारा दैत्य कालनेमि का संकेत

पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान हनुमान मकर कुंड की ओर पानी पीने जा रहे थे, तो एक मकड़ी ने उनके कान में कालनेमि दैत्य की छद्मवेश में उपस्थिति की सूचना दी। इसके बाद हनुमान जी ने तुरंत कालनेमि का वध कर दिया। इसी स्थान पर बाद में एक मंदिर स्थापित किया गया, जिसे अब मकड़ी कुंड के नाम से जाना जाता है। यहां आने वाले श्रद्धालु इस कुंड में स्नान कर या हाथ-पैर धोकर ही हनुमान जी के दर्शन और पूजन करते हैं।

कैसे पहुंचें- बिजेथुआ महावीरन धाम पहुंचने के लिए पहले सुल्तानपुर शहर आना होता है, जो लखनऊ या अन्य केंद्रों से सडक़ मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है।

सुल्तानपुर से कादीपुर की दूरी लगभग 40 किमी. है, जहां से सूरापुर बाजार तक 8 किमी. का सफर तय करना पड़ता है। इसके बाद बिजेथुआ हनुमान मंदिर धाम तक पहुंचने के लिए दक्षिण दिशा में 2 किमी. की दूरी तय करनी होती है। धाम तक जाने के लिए सडक़ मार्ग भी काफी अच्छा है।

जीने का सबसे शक्तिशाली तरीका

गौतम ने कहा, आप इतना चिंतित क्यों हैं? समस्या क्या है? वे सब खड़े होकर चिल्लाने लगे, गौतम ने कहा, रुकिए! मैं इस मार्ग पर इसलिए हूं क्योंकि मैं देखता हूं कि यह जीने का सबसे शक्तिशाली तरीका है। लेकिन आप लोग मुझे बता रहे हैं कि उसके तरीके मेरे तरीकों से ज्यादा शक्तिशाली हैं...

गौतम बुद्ध अपने दौर में लगातार यात्रा करते रहते थे और आम तौर पर उनके शिष्यों का एक बड़ा दल उनके साथ रहता था। रास्ते में आम तौर पर भिक्षु कई घरों में आश्रय लिया करते थे। गौतम ने उनके लिए एक नियम बनाया था कि उन्हें किसी स्थान पर दो दिन से ज्यादा नहीं रहना चाहिए ताकि मेजबानों पर ज्यादा बोझ न पड़े। अन्यथा दस लोगों को एक महीने तक घर में टिकाना ज्यादातर घरों के लिए बहुत कठिन होगा। यह बस एक दिन भी हो सकता है, लेकिन दो दिन की अनुमति थी क्योंकि वे लंबी दूरी चल रहे होंगे और सुस्ताने के लिए उन्हें थोड़ा समय चाहिए। हालांकि, गौतम ने कहा कि मानसून के समय वे एक जगह पर दो से ढाई महीने रुक सकते हैं, क्योंकि उस समय जंगल से होकर चलना जोखिम भरा हो सकता है और कई लोगों की जान जा सकती है। तो, वे एक बड़े नगर में रुकते थे और कई घरों में आश्रय लेते थे। मानसून के एक मौसम में, भिक्षु किसी नगर में लोगों से भिक्षा लेने के लिए बाहर गए। आनंद, जो भिक्षु बनने से पहले गौतम का बड़ा चचेरा भाई था, बाहर गया और उसने नगर में एक वेश्या से भिक्षा प्राप्त की। वेश्या ने उस पर नजर डाली और कहा, वह एक सुंदर लंबा और सीधा युवक था, मैंने सुना है कि भिक्षु आश्रय की तलाश में हैं। तुम आकर मेरे घर में क्यों नहीं रहते? आनंद ने कहा कि उसे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उसे बुद्ध से पूछना चाहिए कि उसे कहां रहना चाहिए। औरत ने उसे ताना मारते हुए कहा, ओह तुम अपने गुरु से पूछने जा रहे हो? जाकर उनसे पूछो, देखते हैं कि वे क्या कहते हैं। आनंद ने दिन में जो कुछ इकट्ठा किया था उसे लाकर गौतम के चरणों में रख दिया और फिर पूछा, इस स्त्री ने मुझे आमंत्रित किया है। क्या मैं वहां रह सकता हूं? गौतम ने कहा, अगर वह तुम्हें इतने स्नेह से आमंत्रित कर रही है, तो तुम्हें वहां जाकर रहना चाहिए। जब उनके आसपास इकट्ठा हुए नगर के लोगों ने यह सुना, तो शोर मच गया। उन्होंने कहा, एक भिक्षु किसी वेश्या के घर में कैसे रह सकता है? यह आध्यात्मिक प्रक्रिया भ्रष्ट हो गई है। गौतम ने कहा, आप इतना चिंतित क्यों हैं? समस्या क्या है? वे सब खड़े होकर चिल्लाने लगे, गौतम ने कहा, रुकिए! मैं इस मार्ग पर इसलिए हूं क्योंकि मैं देखता हूं कि यह जीने का सबसे शक्तिशाली तरीका है। लेकिन आप लोग मुझे बता रहे हैं कि उसके तरीके मेरे तरीकों से ज्यादा शक्तिशाली हैं। अगर यह सच है तो मुझे भी जाकर उसके साथ रहना चाहिए अगर आप सच्चे साधक हैं, तो इसे वैसा ही होना चाहिए। अगर आप किसी को अधिक ऊंचा पाते हैं, तो आपको उसके लिए जाना चाहिए। फिर भी, कई लोग चिल्लाते रहे और उनमें से कई चले गए।

बिना सूंड वाले अवतार में स्थापित मंदिर

हिंदू धर्म में किसी भी शुभ कार्य को करने से पहले भगवान गणेश का नाम लिया जाता है। गणेश जी को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। दुनिया भर में गणेश जी के बहुत से मंदिर हैं, जहां बहुत से भक्त दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन भारत में गणेश जी का एक ऐसा भी मंदिर है, जहां वह अपने बिना सूंड वाले अवतार में स्थापित हैं। **कहां है यह मंदिर**- यह प्राचीन मंदिर राजस्थान की राजधानी जयपुर में है। शहर के उत्तर में अरावली की पहाड़ी पर मुकुट जैसा यह मंदिर नजर आता है। यह मंदिर गढ़ गणेश के नाम से जाना जाता है। यह राजस्थान के प्राचीन गणेश मंदिरों में से एक है। मंदिर तक जाने के लिए करीब 500 मीटर की चढ़ाई पूरी करनी पड़ती है। इनकी संख्या 300 से ज्यादा बताई जाती है। प्रसिद्ध गैटोर की छतरियां तक निजी साधन से पहुंचने के बाद यहां के लिए चढ़ाई शुरू होती है।

मंदिर का इतिहास-यह मंदिर करीब 290 वर्ष पुराना बताया जाता है। कहा जाता है कि सवाई जयसिंह ने 18वीं शताब्दी में जयपुर की स्थापना के लिए गुजरात से पंडितों को यहां बुलाकर अश्वमेध यज्ञ करवाया था और गढ़ गणेश मंदिर की स्थापना की थी। इसके बाद फिर जयपुर शहर की नींव रखी गई। इस मंदिर में

भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना उत्तर दिशा की ओर की गई ताकि भगवान श्री गणेश की दृष्टि हर जगह रहे और पूरे जयपुर पर उनका आशीर्वाद बना रहे।

साल के दिनों के हिसाब से हैं सीढ़ियां- गणेश जी के मंदिर तक पहुंचे के लिए कुल 365 सीढ़ियां हैं, जो साल के दिन को आधार मानकर बनाई गई थी। मंदिर वाले रास्ते में एक शिव मंदिर भी आता है, जिसमें पूरा शिव परिवार विराजमान है।

पत्थर के दो मूषक- मंदिर परिसर में पत्थर के बने दो मूषक स्थापित हैं, जिनके कानों में भक्त अपनी इच्छाएं बताते हैं। मान्यता है कि यह मूषक भक्तों की इच्छाओं को बाल गणेश तक पहुंचाते हैं। भगवान गणेश की इस अनोखी प्रतिमा के दर्शन के लिए लोग देश के कोने-कोने से आते हैं। भक्तों का मानना है कि इस मंदिर में गढ़ गणेश से मांगी जाने वाली हर मनोकामना पूरी होती है।

भक्त लिखते हैं चिट्ठी-भगवान गणेश के दर्शन करने वालों की भगवान गणेश में विशेष श्रद्धा है। नियमित आने वाले भक्तों का मानना है कि यहां भगवान गणेश को चिट्ठी लिखकर अपने मन की बात भगवान गणेश को बताते हैं और फिर उसे पूरी करने के लिए कहते हैं और साथ ही सात बुधवार लगातार दर्शन कर गढ़ गणेश से मांगी जाने वाली हर मनोकामना अवश्य पूरी होती है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक लोकेश सूद द्वारा 109/6, लोअर बाजार, शिमला से प्रकाशित तथा भारतेन्दु ऑफसैट प्रिंटिंग प्रैस, औद्योगिक क्षेत्र, ख्यारा चौकी, शोघी, शिमला-173219 से मुद्रित। व्यवस्थापक सीमा सूद।
सम्पादकीय कार्यालय एवं फैक्स : 2808285
आर.एन.आई.नं. एचपीएचआईएन/ 2000/2437
पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. एच पी/68/एस एम एल
bhartendushikhar20@yahoo.com

देश-विदेश

भारत को उम्मीद, भारतीय छात्रों के वीजा आवेदनों पर विचार करेगा अमरीका

नई दिल्ली : भारत ने आशा व्यक्त की है कि अमरीका भारतीय छात्रों के वीजा आवेदनों पर योग्यता के आधार पर विचार करेगा और वे समय पर अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे। यह बात ऐसी खबरों के बीच कही जा रही है जब अमरीका ने एफ, एम और जे वीजा श्रेणियों के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए नए साक्षात्कारों के कार्यक्रम को रोक दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रश्न के उत्तर में ब्रीफिंग में कहा कि हमने छात्रों और एक्सचेंज विजिटर वीज़ा आवेदकों के संबंध में अमरीकी सरकार के अद्यतन मार्गदर्शन का सुझाव देने वाली रिपोर्टें देखी हैं। विदेश में भारतीय छात्रों का कल्याण भारत सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस संबंध में आगे की प्रगति पर नजर रखेंगे। हालांकि हम मानते हैं कि वीज़ा जारी करना एक संप्रभु कार्य है, हम आशा करते हैं कि भारतीय छात्रों के आवेदन पर योग्यता के आधार पर विचार किया जाएगा और वे समय पर अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने ली शपथ

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने शुक्रवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शीर्ष अदालत परिसर के एक सभागार में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। उनके शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय के लिए कुल निर्धारित 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई।

वाशिंगटन में गोलीबारी, 7 लोग घायल, 3 गंभीर

सैन फ्रांसिस्को : वाशिंगटन के टैकोमा के उपनगर हैरी टॉड पार्क में गोलीबारी में सात लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों में से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक गोलीबारी के समय पार्क में 100 से ज़्यादा लोग मौजूद थे। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि गोलीबारी में कितने लोग शामिल थे। साथ ही यह भी पता नहीं चल पाया है कि हमला अन्य हमलावारों पर किया गया या फिर पीड़ितों को जानबूझकर निशाना बनाया गया था।

जंगलों को आग से बचाने के लिए निकाली बाइक रैली

भारतेन्दु संवाददाता

चंबा : वनमंडल चंबा की ओर से वन अग्नि की रोकथाम और जन जागरूकता के लिए मुख्यालय में बाइक रैली निकाली गई। करियां स्थित वन विभाग की चैक पोस्ट से मुख्य वन अरण्यपाल चंबा अभिलाषा दामोदरन ने बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली करियां से आरंभ होकर मुगला, हरदासपुरा, जुलाहकड़ी से होते हुए चंबा बाजार का चक्कर लगाने के उपरांत वन विभाग के विश्राम गृह बारगाह में जाकर समाप्त हुई।

इस दौरान वन कर्मियों ने वन आग की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक किया। मुख्य वन अरण्यपाल चंबा अभिलाष दामोदरन ने बताया कि इस बाइक रैली का मुख्य उद्देश्य फायर सीजन के बीच वन आग को रोकने के लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। इसके साथ ही वनों की रक्षा में उनकी भागेदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि समूचे वन वृत्त चंबा में इन दिनों जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक के साथ-साथ जिला के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर विभागीय स्टाफ जागरूकता फैला रहे हैं। वन विभाग ने 90 हजार विद्यार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही वन मित्र भी गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इस मौके पर डीएफओ कृतज्ञ कुमार व कार्यवाहक वन परिक्षेत्र अधिकारी चंबा सुनील ठाकुर सहित विभागीय स्टाफ मौजूद रहा।

सनेड़ में चला भांग उखाड़ो अभियान

हमीरपुर : युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जनसेवक एवं ऊखली पंचायत के उपप्रधान की तरफ से चलाई जा रही नशा निवारण मुहिम में सनेड गांव के लोगों ने अपनी सहभागिता को सुनिश्चित किया है। शुक्रवार को ग्रामीणों ने साबित कर दिया कि वे नशे का समाज से सफाया करने के लिए एकजुट हैं। शुक्रवार के दिन सनेड गांव में ग्रामीणों ने मिलकर नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए भांग उखाड़ो अभियान चलाया। इस अवसर पर जनसेवक एवं ऊखली पंचायत के उपप्रधान सुशील ठाकुर उनके साथ रहे। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर भांग को उखाड़ा। इस अवसर पर काफी सं या ग्रामीण उपस्थित रहे तथा सभी ने मिलकर नशे के विरुद्ध एकजुटता का प्रमाण दिया। महिला मंडल सनेड की सदस्यों ने एकजुटता दिखाते हुए नशे का खात्मा किया है। बता दें कि नशा निवारण मुहिम जनसेवक एवं ऊखली पंचायत के उपप्रधान सुशील ठाकुर की अगवाई में चल रही है।

बाल विकास के लिए जरूरी पोषण और संस्कार : सोनिया अरोड़ा

भारतेन्दु संवाददाता

पांवटा साहिब : भारत विकास परिषद शाखा पांवटा साहिब द्वारा बाल विकास पोषण एवं संस्कार अभियान के तहत स्कूली छात्रों के लिए एक कैंप लगाया गया। इस अवसर पर प्रोजेक्ट की संयोजक सोनिया अरोड़ा ने कहा कि बाल विकास के लिए पोषण और संस्कार दोनों ही अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। उचित पोषण बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक है, जबकि संस्कार बच्चे को सही दिशा में मार्गदर्शन करते हैं और उसे एक अच्छा नागरिक बनाते हैं। बच्चों को शारीरिक रूप से विकसित होने के लिए सही मात्रा में पोषक तत्त्वों की आवश्यकता होती है। इसलिए बच्चों को अच्छा आहार, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा और विटामिन समय-समय पर देने चाहिए। शाखा की महिला संयोजिका ने संस्कार के बारे में बताया कि संस्कार बच्चे को सही और गलत के बीच का अंतर सिखाते हैं और उन्हें अच्छे नैतिक मूल्यों से परिचित करवाते हैं और संस्कार ही बच्चों को सामाजिक व्यवहार के बारे में सिखाते हैं।

जैसे कि दूसरों के साथ सम्मान से बात करना, मदद करना और दूसरों की भावनाओं को समझना। संस्कार ही बच्चों को अनुशासन सिखाता है जिससे वह अपने जीवन में सफल हो सकते हैं। संस्कार से ही बच्चों में आत्मविश्वास आता है जिससे वह अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं। शाखा के अन्य सदस्यों ने भी विचार रखते हुए कहा कि बच्चों के विकास के लिए पोषण और संस्कार दोनों ही महत्त्वपूर्ण हैं।

हिमाचल के खिलाड़ियों ने जीते पांच मेडल

भारतेन्दु संवाददाता

सोलन : महाराष्ट्र के पुणे में कूडो इंडिया एसोसिएशन द्वारा आयोजित कूडो कप प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में हिमाचल के 12 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और प्रतियोगिता में पांच पदक जीतने में कामयाबी हासिल की, जिसमें दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

प्रतियोगिता में सीनियर गर्ल्स में-230 पीआई-1 कैटेगरी में प्रिया कुमारी थापा ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसी तरह प्रियांशी वर्मा ने अंडर -13 प्लस 45 किलो ग्राम कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता। कैरवी नेगी ने 12 वर्ष से कम आयु वर्ग की प्लस 42 किलोग्राम कैटेगरी में रजत पदक जीतने में कामयाबी हासिल की। अंशिका 15 वर्ष कम आयु वर्ग के माइनस 42 किलोग्राम कैटेगरी में कांस्य पदक जीता। लड़कों की अंडर-13 माइनस 36 किलोग्राम कैटेगरी में रजत पदक जीतकर नाम चमकाया। प्रतियोगिता के दौरान हिमाचल कूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय कुमार जसवाल और कूडो इंडिया कोच को साउथ एशिया कूडो अध्यक्ष हांशी मेहुल वोहरा को कूडो ब्लैक बेल्ट और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। अजय कुमार हिमाचल के पहले कूडो ब्लैक बेल्ट बने जोकि प्रदेश के लिए गर्व की बात है।